शिव भगवानुवाच: "ब्राह्मण जीवन माना उमंग उत्साह के जीवन"

Sl. No.	लौकिक उमंग उत्साह	अलौकिक उमंग उत्साह
1	हर घडी, हर बातों मे ज्यादा सोचने मे टैम वेस्ट करते बातों को बढाने मे उमंग उत्साह रखते है।	हर घडी, हर बातों मे बाप को आगे रखते स्वयं सब बातों से न्यारे रहने का उमंग उत्साह मे रहते है।
2	दुनिया मे लोग मान, शान प्राप्त करने मे बहुत उमंग उत्साही रहते है।	हम अपने श्रेष्ठ स्वमान मे रह अल्पकाल के मृग तृष्ना समान इछचाओ को त्याग करने के उमंग उत्साह मे रहते है।
3	कोइ मित्र संबंधियों से मिलते है तो शारीरिक बाते या बीती बातो को आपस मे डिसकस करने मे बहुत उमंग उत्साह रहता है।	हम आपस मे मिलते है तो बहुतो को आप समान सो बाप समान बनाने की ईश्वरीय उमंग उत्साह मे रहते है।
4	दुनिया मे लोग मजा उडाने के लिए रिवर राफ्टिंग जाते है उसमे अल्प काल के खुशी प्राप्ति के लिए बहुत उमंग उत्साहि रहते है	हम सब मिलके इस दुख सागर से क्षीर सागर मे जाने लिए एक बाप के याद के साथ बेडा पार करने की जबरदस्त उमंग उत्साह मे रहते है।
5	दुनिया मे लोग खुश रहने के लिए लाफ़िंग क्लब मे जाते या कुछ खुश खबरी की घोष्ठि मे अल्पकाल की खुशी के प्राप्ति मे बहुत उमंग उत्साह रखते है।	हम सबको बाबा सदा ज्ञान मंथन मे, बाप की याद की अतींद्रिय सुख मे हर घडी हर समय खुश रहने की उमंग उत्साही बनाया है।
6	दुनाया मे लोग एक दो के कमीयों को देख लडना, जगडना, बिगडने मे उमंग उत्साह बहुत है।	प्यारे बाप ने हम सभि बच्चो को आपस मे एक दो की विशेशता को देखते बहुत रुहानी प्यार, स्नेह मे रहने का उमंग उत्साह बढाया है।
7	दुनाया मे लोग भगवान से मांगने, एक दुसरे से मांगने की उमंग उत्साही रहते है।	हम ब्रह्मण आत्माये बाप के एक श्रिमत पर चलने के उमंग उत्साह मे रहते बिना मागें सब कुछ प्राप्त कर लेते है।
8	दुनाया मे लोग बाह्यमुखी रहने कारण बिन्न बिन्न रसो की अनुभव मे उत्साही रहते है।	बाबा हमको सदा अंतर्मुखी रह एकरस अवस्था मे रहने उमंग उत्साह बढाया है।
9	दुनिया मे लोग बहुत कमाने और उसको व्यर्थ कर्छ करने मे बहुत उमंग उत्साही रहते है।	हमको प्यारे बाबा ने ईश्वरीय सेवार्थ कम कर्छ बाला नशीन बनाके उमंग उत्साह बढा दिया है।
10	दुनिया मे लोग भक्तिमार्ग के कर्म कांड को करने मे बहुत नये नये युक्तिया रचने मे उमंग उत्साहि रहते है।	हम ब्राह्मण आत्माओ को बाबा ने ज्ञानमार्ग मे युक्तियुक्त, योगयुक्त, राज्युक्त रहने की उमंग उत्साह बढाया है।
11	दुनिया मे लोगो को बिन्न बिन्न प्रकार प्रश्नो (क्यु, क्या, कब, कैसे, एसे, वैसे) मे फ़ँसने की उमंग उत्साह बहुत रहता है।	हम ब्राह्मण आत्माओ को बाबा ने ड्रामा की एक्यूरेट ज्ञान देते त्रिकाल्दर्शि बनाके हर परिस्थितियों मे साक्षिदृष्ठा रहने का उमंग उत्साह बडा दिया है।
12	दुनिया मे लोगो को बहुत प्रकार के बंधन होते हुए भी और भी बंधनो मे स्वयं बांधने प्रयास मे बहुत उत्साही रहते है।	हम सबको बाबा एक सैकेंड मे अशरीरी बनने का उमंग उत्साह दिलाया है।